RNI No. : UPHIN/2017/74695

डाक पंजीकरण सं. :
एस.एस.पी./एल.डब्लू./एन.पी. - 558/2024-2026

स्टूडियो न्यूज

वर्ष : 10 अंक : 01 | लखनऊ, सोमवार, 6 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026 | पृष्ठ : 16 | मूल्य : 10 रूपये

LK SAMYANG
BAJAJ FINSERV
EMI AVAILABLE
2 YEARS WARRANTY
North India
Photo Contest 2026
Only for SAMYANG lens Users
1 July 2026 - 31 July 2026
Open to residents of Rajasthan, Haryana, Punjab, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Uttarakhand, Uttar Pradesh & Delhi
Age 13+
Scan the QR Code
To Register & Go through the T&C
AF 16mm F2.8 P FE
1st PRIZE
AF 60-180mm F2.8 FE
2nd PRIZE
Remaster Slim Lens Kit
3rd PRIZE
LIGHTER. FASTER.CLOSER.
Schneider KREUZNACH X LK SAMYANG
AF 60-180mm F2.8 FE
INCLRDIBLE LIGHTNESS
ONLY 730g
FAST & PRECISE AF
For Every Moment
VERSATILE ZOOM RANGE
60mm to 180mm
LAUNCH OFFER
COMPLIMENTARY TRIPOD
NATIONAL GEOGRAPHIC
Photo 3 Way Pan-Head
ABSOLUTELY
FREE
MRP: ₹7,500
OFFER VALID TILL
AUG 15th, 2026
www.lksamayang.com
INNOVATIVE TECH
DISTRIBUTION PVT LTD
Importer and Distributor for North India
308 A, 3rdFloor, NDM 1 Tower,
Netaji Subhash Place, Pitampura, Delhi - 110034
Web: www.intechdistribution.com , Email : intechdelhi@gmail.com
Follow SAMYANG - INDIA NORTH on
Information & Sales - 011-43082205, 9050806575, Service Centre- 9871272689

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026

फोटोग्राफी जीवन को प्रकाशमय करने का एक साधन है। - सैम एबल

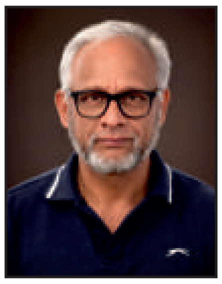

सम्पादक की कलम से ...

प्रिय फोटोग्राफर्स साथियो,

तकनीक की रफ्तार के साथ चलना ही अब सफलता की पहचान है

समय हमेशा बदलता है, लेकिन कुछ बदलाव ऐसे होते हैं जो पूरे उद्योग की दिशा ही बदल देते हैं। आज फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी का संसार ठीक ऐसे ही परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। कैमरा अब केवल तस्वीर लेने का माध्यम नहीं रह गया है, बल्कि यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI), कंप्यूटेशनल फोटोग्राफी, हाई-स्पीड डेटा प्रोसेसिंग, क्लाउड वर्कफ्लो, स्मार्टफोन इंटीग्रेशन और डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का एक शक्तिशाली प्लेटफॉर्म बन चुका है। यदि हम पिछले कुछ महीनों में आई नई तकनीकों पर नजर डालें तो एक बात बिल्कुल स्पष्ट दिखाई देती है कि भविष्य केवल उन लोगों का होगा जो सीखना कभी बंद नहीं करेंगे।

आज बाजार में ऐसे हल्के और अधिक शार्प पोर्ट्रेट लेंस आ रहे हैं जो कम कीमत में भी प्रोफेशनल गुणवत्ता प्रदान कर रहे हैं। सिनेमा लेंस पहले की तुलना में अधिक किफायती और हल्के हो रहे हैं। अल्ट्रा-वाइड लेंस एस्ट्रोफोटोग्राफी, लैंडस्केप और आर्किटेक्चर फोटोग्राफी के लिए नए अवसर खोल रहे हैं। एडॉप्टर तकनीक इतनी विकसित हो चुकी है कि अब अलग-अलग कैमरा सिस्टम के बीच काम करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। इसका सीधा संदेश है कि आने वाले समय में उपकरणों की सीमाएँ कम होंगी और फोटोग्राफर की रचनात्मकता अधिक महत्वपूर्ण होगी। फोटोग्राफी में सबसे बड़ा परिवर्तन कृत्रिम बुद्धिमत्ता लेकर आ रही है। अब ऐसी तकनीक विकसित हो रही है जो तस्वीर लेने के बाद भी कैमरे का एंगल बदल सकती है। एडिटिंग सॉफ्टवेयर कुछ ही सेकंड में सैकड़ों तस्वीरों पर एक साथ सुधार लागू कर सकते हैं। इमेज एन्हांसमेंट, नॉइज रिडक्शन, बैकग्राउंड सुधार, ऑटो कलर करेक्शन और स्मार्ट सेलेक्शन जैसी प्रक्रियाएँ लगातार स्वचालित होती जा रही हैं। इसका उद्देश्य फोटोग्राफर की जगह लेना नहीं, बल्कि उसके समय की बचत करना है। अब रचनात्मक सोच इंसान की होगी और दोहराए जाने वाले कार्य मशीनें करेंगी। यही कारण है कि आज सफल फोटोग्राफर वही होगा जो कैमरे के साथ-साथ एडिटिंग सॉफ्टवेयर, AI टूल्स और डिजिटल वर्कफ्लो में भी दक्ष होगा। केवल बेहतरीन तस्वीर लेना पर्याप्त नहीं है। क्लाइंट तेज डिलीवरी, सोशल मीडिया के अनुरूप कंटेंट, छोटे वीडियो, सिनेमाई प्रस्तुति और उच्च गुणवत्ता वाली एडिटिंग भी चाहता है। इसलिए सीखने का दायरा पहले से कहीं अधिक व्यापक हो गया है।

फोटोग्राफी बाजार का एक और बड़ा संकेत यह है कि वीडियो और हाइब्रिड कंटेंट का महत्व लगातार बढ़ रहा है। आज लगभग हर फोटोग्राफर से वीडियो रिकॉर्डिंग, इंटरव्यू, रील्स, शॉर्ट फिल्म और सोशल मीडिया कंटेंट की अपेक्षा की जाती है। इसी कारण ऑडियो रिकॉर्डिंग के लिए वायरलेस माइक्रोफोन, हल्के ट्राइपॉड, पोर्टेबल सपोर्ट सिस्टम और मोबाइल शूटिंग उपकरण तेजी से विकसित हो रहे हैं। यह स्पष्ट संकेत है कि भविष्य का प्रोफेशनल केवल फोटोग्राफर नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण विजुअल कंटेंट क्रिएटर होगा। डेटा स्टोरेज और कंप्यूटर तकनीक में भी महत्वपूर्ण बदलाव दिखाई दे रहे हैं। हाई-स्पीड मेमोरी कार्ड, तेज प्रोसेसर और अधिक शक्तिशाली कंप्यूटर यह दर्शाते हैं कि आने वाले वर्षों में 8K वीडियो, हाई-रेजोल्यूशन RAW फाइलें और AI आधारित एडिटिंग सामान्य बात होगी। इसलिए केवल कैमरा अपग्रेड करना पर्याप्त नहीं होगा। अपने कंप्यूटर, स्टोरेज और बैकअप सिस्टम को भी समय-समय पर बेहतर बनाना आवश्यक होगा।

विज्ञान भी कैमरा तकनीक को नई दिशा दे रहा है। ऐसे इमेज सेंसर विकसित किए जा रहे हैं जो भविष्य में रिकॉर्डिंग और डिस्प्ले दोनों का कार्य एक साथ कर सकेंगे। यदि यह तकनीक व्यावसायिक रूप से सफल होती है, तो कैमरों की बनावट और उपयोग का तरीका पूरी तरह बदल सकता है। यह बताता है कि फोटोग्राफी का भविष्य केवल बेहतर मेगापिक्सल तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरी इमेजिंग तकनीक एक नए युग में प्रवेश कर रही है। इन सभी बदलावों के बीच सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह नहीं है कि कौन-सा नया कैमरा या लेंस खरीदना चाहिए। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि हम स्वयं को कितना अपडेट रख रहे हैं। यदि हम नई तकनीकों के बारे में पढ़ते हैं, वर्कशॉप में भाग लेते हैं, नए सॉफ्टवेयर सीखते हैं, AI का अभ्यास करते हैं और अपने कार्य करने के तरीके में बदलाव लाते हैं, तो तकनीक हमारे लिए अवसर बनेगी। लेकिन यदि हम पुराने तरीकों से ही चिपके रहेंगे, तो बदलता हुआ बाजार हमें पीछे छोड़ देगा।

स्टूडियो न्यूज का हमेशा से यही प्रयास रहा है कि दुनिया भर में होने वाले तकनीकी बदलावों को हिंदी भाषा में देश के लाखों फोटोग्राफर्स तक पहुँचाया जाए। हमारा विश्वास है कि जानकारी ही सबसे बड़ी ताकत है। जिस फोटोग्राफर के पास सही समय पर सही जानकारी होगी, वही भविष्य की चुनौतियों को अवसर में बदल सकेगा।

इस अंक के साथ हमारे लिए एक और भावनात्मक पड़ाव भी जुड़ा हुआ है। स्टूडियो न्यूज के नौ वर्षों के इस शानदार सफर में हमारे साथ जुड़े सभी पाठकों, फोटोग्राफर्स, स्टूडियो संचालकों, विज्ञापनदाताओं, उद्योग जगत के सहयोगियों और शुभचिंतकों का हम हृदय से आभार व्यक्त करते हैं। आपका विश्वास, आपका स्नेह और आपका निरंतर सहयोग ही हमारी सबसे बड़ी प्रेरणा रहा है। आज आपके इसी प्रेम और समर्थन के बल पर स्टूडियो न्यूज अपने दसवें वर्ष में प्रवेश कर रहा है। यह केवल हमारे प्रकाशन का नया वर्ष नहीं, बल्कि हिंदी फोटोग्राफी जगत के साथ हमारे साझा विश्वास, विकास और निरंतर सीखने की यात्रा का एक नया अध्याय है।

आप और आपका परिवार सुखी एवं स्वस्थ रहे, ऐसी ईश्वर से कामना है। फोटोग्राफी से सम्बंधित किसी भी समस्या एवं जानकारी हेतु आप हमें 11 से 7 बजे तक इन दूरभाष 0522-4108575 / 0522-3654971 पर संपर्क कर सकते है।

सुरेंदर सिंह बिष्ट, सम्पादक

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

Viltrox ने पेश किए दो नए Evo पोर्ट्रेट प्राइम लेंस

Viltrox ने APS-C मिररलेस कैमरों के लिए AF 75mm f/1.8 Evo और AF 90mm f/2.2 Evo पोर्ट्रेट लेंस लॉन्च किए हैं। Sony E, Nikon Z और Fujifilm X माउंट में उपलब्ध ये दोनों लेंस कॉम्पैक्ट और हल्के डिजाइन के साथ प्रोफेशनल पोर्ट्रेट प्रदर्शन प्रदान करते हैं। कंपनी के अनुसार नए Evo लेंस बेहतर शार्पनेस, आकर्षक बैकग्राउंड ब्लर और तेज ऑटोफोकस देते हैं। ये पोर्ट्रेट, लाइफस्टाइल और क्रिएटिव फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त हैं तथा यात्रा और दैनिक उपयोग में भी सुविधाजनक साबित होंगे।

Google Photos में Batch Editing की सुविधा लेकर आया नया Chrome Extension

Google Photos के लिए नया Chrome Extension "Batch for Google Photos" लॉन्च किया गया है, जो एक साथ कई तस्वीरों पर एडिट लागू करने की सुविधा देता है। 1.5 अरब से अधिक मासिक उपयोगकर्ताओं वाले Google Photos में वर्षों से बैच एडिटिंग की कमी महसूस की जा रही थी। यह नया टूल फोटोग्राफर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और बड़े फोटो संग्रह संभालने वाले उपयोगकर्ताओं के लिए वर्कफ्लो को तेज और अधिक सुविधाजनक बनाने में मदद करेगा।

Insta360 ने Leica के साथ पेश किया Luna Ultra गिम्बल कैमरा

Insta360 ने Leica के सहयोग से नया Luna Ultra गिम्बल कैमरा लॉन्च किया है। इसमें 1-इंच 8K सेंसर, Leica Summicron लेंस, 3-एक्सिस स्टेबलाइजेशन, AI आधारित Deep Track 5.0 और डिटैचेबल OLED टचस्क्रीन दी गई है। यह कैमरा 8K वीडियो, 37MP फोटो, Dolby Vision रिकॉर्डिंग और चार घंटे तक की बैटरी लाइफ प्रदान करता है। Luna Ultra को मोबाइल फिल्ममेकर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए विकसित किया गया है तथा यह DJI के लोकप्रिय गिम्बल कैमरों को सीधी चुनौती देता है।

Apple का नया AI टूल फोटो खींचने के बाद भी बदल सकेगा कैमरा एंगल

Apple ने iOS 27 में नए AI आधारित फोटो एडिटिंग फीचर पेश किए हैं। इनमें "Spatial Reframing" टूल खास है, जो फोटो लेने के बाद भी कैमरे का एंगल और फ्रेमिंग बदलने की सुविधा देता है। इसके अलावा Clean Up टूल को बेहतर बनाया गया है और नया Extend फीचर AI की मदद से फोटो के किनारों को बढ़ा सकता है। Apple के अनुसार AI से संपादित तस्वीरों में छिपा हुआ SynthID वॉटरमार्क होगा, जिससे उनकी पहचान की जा सकेगी।

Joby ने लॉन्च किया बैग और बेल्ट पर लगने वाला HandyPod Clip Extend ट्राइपॉड

Joby ने नया HandyPod Clip Extend पेश किया है, जो ट्राइपॉड, सेल्फी स्टिक और हैंगिंग सपोर्ट का संयोजन है। केवल 106 ग्राम वजनी इस एक्सेसरी में बिल्ट-इन कैराबीनर दिया गया है, जिससे इसे बैग, बेल्ट या कैमरा बैग पर आसानी से लगाया जा सकता है। इसमें Selfie Stick, Tripod और Mantis Mode जैसे तीन शूटिंग मोड हैं। यह कैमरा, स्मार्टफोन और एक्शन कैमरों के साथ संगत है तथा 1 किलोग्राम तक का भार संभाल सकता है।

Adobe Creative Cloud में आए नए AI फीचर्स, एडिटिंग वर्कफ्लो होगा तेज

Adobe ने Creative Cloud के लिए कई नए AI-आधारित फीचर्स पेश किए हैं। Lightroom में Assisted Culling, Photo-to-Video और AI Sharpen जैसी सुविधाएँ जोड़ी गई हैं। Premiere Pro में तेज Object Masking, नए इफेक्ट्स और बेहतर ऑडियो कंट्रोल दिए गए हैं। Photoshop में Reflection Removal और ऑफलाइन AI Remove Tool उपलब्ध कराया गया है। वहीं After Effects और Illustrator को भी नए वर्कफ्लो टूल मिले हैं। Adobe का दावा है कि ये अपडेट रचनात्मक पेशेवरों की उत्पादकता बढ़ाएंगे।

Brightin Star का नया 14mm f/2.8 लेंस एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए तैयार

Brightin Star ने अपने आगामी MF 14mm f/2.8 अल्ट्रा-वाइड मैनुअल फोकस लेंस की झलक दिखाई है, जिसे 17 जून को लॉन्च किया। लैंडस्केप, आर्किटेक्चर, इंटीरियर और एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए विकसित यह लेंस 116 डिग्री का विस्तृत व्यू प्रदान करता है। 13 एलिमेंट्स वाले ऑप्टिकल डिजाइन,

Star Nano IMC कोटिंग और 20 सेमी क्लोज फोकस क्षमता के साथ यह बेहतर शार्पनेस और कम डिस्टॉर्शन का दावा करता है। इसकी शुरूआती कीमत 240 डॉलर रखी गई है।

Microsoft ने बढ़ी कीमतों के साथ पेश किए नए Surface Laptop और Surface Pro

Microsoft ने अपने Surface Laptop और Surface Pro के नए संस्करण लॉन्च किए हैं, जो Qualcomm Snapdragon प्रोसेसर से लैस हैं। नए डिवाइस बेहतर AI प्रदर्शन, लंबी बैटरी लाइफ और आधुनिक मोबाइल कंप्यूटिंग क्षमताओं के साथ आते हैं। हालांकि, इन मॉडलों की कीमतें पिछली पीढ़ी की तुलना में काफी अधिक रखी गई हैं। Surface Ultra के हालिया लॉन्च के बाद कंपनी का लक्ष्य AI PC बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करना है। नए Surface डिवाइस प्रोफेशनल्स, छात्रों और क्रिएटिव उपयोगकर्ताओं को ध्यान में रखकर विकसित किए गए हैं।

DZOFilm ने लॉन्च किया हल्का Octopus II PL Lens Adapter

DZOFilm ने नया Octopus II लेंस एडॉप्टर पेश किया है, जो Arri PL-माउंट सिनेमा लेंसों को Sony E, Nikon Z, Canon RF और L-Mount मिररलेस कैमरों पर उपयोग करने की सुविधा देता है। मात्र 190 ग्राम वजन वाला यह एडॉप्टर अपने पूर्ववर्ती मॉडल की तुलना में लगभग 50% हल्का है। एल्युमिनियम एलॉय और स्टेनलेस स्टील से निर्मित यह एडॉप्टर बिना किसी जटिल कैलिब्रेशन के इन्फिनिटी फोकस बनाए रखता है तथा 1 लाख बार उपयोग के लिए रेटेड है। इससे मिररलेस कैमरा उपयोगकर्ताओं के लिए प्रोफेशनल सिनेमा लेंसों का उपयोग और आसान हो जाएगा।

7Artisans ने लॉन्च की किफायती Dream Cine Lens Series

7Artisans ने फिल्ममेकर्स, कंटेंट क्रिएटर्स और फिल्म छात्रों के लिए नई Dream Cine Lens Series पेश की है। फुल-फ्रेम मैनुअल-फोकस सिनेमा लेंसों की यह श्रृंखला एक समान सिने वर्कफ्लो को ध्यान में रखकर विकसित की गई है। हल्के वजन, एकसमान कंट्रोल लेआउट और प्रोफेशनल सिनेमैटिक संचालन इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। कंपनी के अनुसार यह सीरीज उच्च गुणवत्ता वाली सिनेमैटिक इमेज प्रदान

शेष पृष्ठ 6 पर ...

SIGMA

F1.2 PRIME LENSES
FOR FULL-FRAME

पृष्ठ 4 से आगे ...

अन्तर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय खबरें

करती है और किफायती कीमत पर नए फिल्म निर्माताओं को प्रोफेशनल वीडियो प्रोडक्शन की दुनिया में प्रवेश का अवसर देती है।

NiSi ने पेश किया मीडियम फॉर्मेट कैमरों के लिए सबसे तेज Ultra-Wide Prime Lens

NiSi ने Fujifilm GFX और Hasselblad XCD माउंट के लिए नया 16mm f/2.8 अल्ट्रा-वाइड प्राइम लेंस लॉन्च किया है। 35mm फॉर्मेट में 12.6mm के समकक्ष फोकल लेंथ वाला यह लेंस बेहद विस्तृत दृश्य क्षेत्र प्रदान करता है। कंपनी के अनुसार यह मीडियम फॉर्मेट सिस्टम के लिए उपलब्ध अपनी श्रेणी का सबसे तेज अल्ट्रा-वाइड प्राइम लेंस है। लैंडस्केप, आर्किटेक्चर, इंटीरियर और एस्ट्रोफोटोग्राफी के लिए तैयार यह लेंस कम रोशनी में भी बेहतर प्रदर्शन का वादा करता है।

Tamron का लोकप्रिय 17-70mm f/2.8 VC लेंस अब Nikon Z और Canon RF APS-C कैमरों के लिए

Tamron ने 17-70mm F/2.8 Di III-A VC RXD (Model B070) लेंस को Nikon Z और Canon RF APS-C मिररलेस कैमरों के लिए लॉन्च करने की घोषणा की है। 4.1x ज़ूम रेंज और पूरे ज़ूम रेंज में स्थिर F2.8 अपर्चर के साथ यह अपनी श्रेणी का अग्रणी स्टैंडर्ड ज़ूम लेंस है। इसमें VC इमेज स्टेबिलाइजेशन, तेज और शांत ऑटोफोकस तथा 0.19 मीटर तक क्लोज-फोकसिंग क्षमता दी गई है। हल्के और कॉम्पैक्ट डिजाइन वाला यह लेंस 2 जुलाई से उपलब्ध होगा।

GoPro ने लॉन्च किया Wireless Mic Complete Kit

GoPro ने नया Wireless Mic Complete Kit पेश किया है, जिसे एक्शन कैमरा, मिररलेस कैमरा, स्मार्टफोन और प्रोफेशनल वीडियो रिग के साथ उपयोग करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह कॉम्पैक्ट वायरलेस माइक्रोफोन सिस्टम चलते-फिरते उच्च गुणवत्ता वाली ऑडियो रिकॉर्डिंग का वादा करता है। कंपनी के अनुसार यह मल्टी-डिवाइस सपोर्ट, आसान सेटअप और भरोसेमंद वायरलेस प्रदर्शन प्रदान करता है, जिससे व्लॉगर्स, फिल्ममेकर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को विभिन्न शूटिंग परिस्थितियों में प्रोफेशनल ऑडियो रिकॉर्ड करना आसान होगा।

ShiftCam ने लॉन्च किया LensUltra स्मार्टफोन लेंस सिस्टम

ShiftCam ने नया LensUltra मोबाइल लेंस इकोसिस्टम पेश किया है, जिसमें P और V Series लेंस शामिल हैं। शुरूआती उपयोगकर्ताओं के लिए तैयार P Series में 60mm टेलीफोटो, 16mm वाइड-एंगल और 10x माइक्रो लेंस दिए गए हैं। ये लेंस डिजिटल ज़ूम के बजाय ऑप्टिकल मैग्निफिकेशन का उपयोग करते हैं, जिससे बेहतर इमेज क्वालिटी, अधिक प्राकृतिक फ्रेमिंग और रचनात्मक नियंत्रण मिलता है। यह सिस्टम ट्रैवल, पोर्ट्रेट और क्लोज-अप स्मार्टफोन फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त है।

Leica ने पेश किया सबसे कॉम्पैक्ट 50mm f/1.4 L-Mount लेंस

Leica ने नया Summilux-SL 50mm f/1.4 ASPH. लेंस लॉन्च किया है। कंपनी का दावा है कि यह सभी मिररलेस कैमरा सिस्टम में उपलब्ध 50mm f/1.4 श्रेणी का सबसे कॉम्पैक्ट ऑटोफोकस लेंस है। L-Mount कैमरों के लिए तैयार यह लेंस तेज f/1.4 अपर्चर, हल्के डिजाइन और Leica की प्रसिद्ध ऑप्टिकल गुणवत्ता का संयोजन प्रदान करता है। यह पोर्ट्रेट, स्ट्रीट, डॉक्यूमेंट्री और रोजमर्रा की फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त है।

Leica ने लॉन्च किया अब तक का सबसे दमदार कैमरा SL3-P

Leica ने नया SL3-P फुल-फ्रेम L-Mount कैमरा पेश किया है, जिसे कंपनी अपना अब तक का सबसे सक्षम कैमरा बता रही है। 44 मेगापिक्सल BSI सेंसर, 819-पॉइंट हाइब्रिड ऑटोफोकस और 40 फ्रेम प्रति सेकंड की हाई-स्पीड कंटीन्यूअस शूटिंग इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं। कैमरा 14-स्टॉप डायनेमिक रेंज, ISO 50-200000 और

IP54 वेदर-सील्ड ऑल-मेटल बॉडी के साथ आता है। प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के लिए तैयार यह कैमरा गति, सटीकता और प्रीमियम इमेज क्वालिटी का बेहतरीन संयोजन प्रदान करता है।

Adobe ने AI इमेज एन्हांसमेंट कंपनी Topaz Labs का किया अधिग्रहण

Adobe
Topaz Labs™

Adobe ने AI आधारित इमेज और वीडियो एन्हांसमेंट सॉफ्टवेयर बनाने वाली Topaz Labs के अधिग्रहण की घोषणा की है। Topaz Labs अपने Gigapixel और Topaz Photo AI जैसे लोकप्रिय सॉफ्टवेयर के लिए जानी जाती है। Adobe अब इसकी AI Upscaling, Denoising और Sharpening तकनीक को Photoshop, Lightroom, Firefly और अन्य Creative Cloud ऐप्स में एकीकृत करेगा। इससे फोटोग्राफर्स, वीडियोग्राफर्स और कंटेंट क्रिएटर्स को बेहतर गुणवत्ता वाली इमेज और वीडियो एडिटिंग सुविधाएँ मिलेंगी।

Kipon ने पेश किया दुनिया का पहला Built-in Variable ND वाला PL Mount Adapter

Kipon ने Sony E और Nikon Z मिररलेस कैमरों के लिए दुनिया का पहला प्रोफेशनल PL Mount Adapter लॉन्च किया है, जिसमें बिल्ट-इन Variable ND फिल्टर दिया गया है। यह एडॉप्टर फिल्ममेकर्स को PL-माउंट सिनेमा लेंस उपयोग करते समय बिना अतिरिक्त ND फिल्टर लगाए सीधे एक्सपोजर नियंत्रित करने की सुविधा देता है। कंपनी के अनुसार यह समाधान वीडियो प्रोडक्शन, डॉक्यूमेंट्री और कमर्शियल शूटिंग के दौरान वर्कफ्लो को तेज और अधिक सुविधाजनक बनाता है।

वैज्ञानिकों ने विकसित किया ऐसा Pixel जो रिकॉर्ड भी करेगा और डिस्प्ले भी

ETH Zurich के शोधकर्ताओं ने एक नया Bidirectional Pixel विकसित किया है, जो

एक ही समय में प्रकाश को रिकॉर्ड और प्रदर्शित दोनों कर सकता है। अब तक कैमरे के पिक्सेल केवल प्रकाश रिकॉर्ड करते थे, जबकि डिस्प्ले के पिक्सेल केवल प्रकाश दिखाते थे। Nature जर्नल में प्रकाशित इस शोध के अनुसार नया पिक्सेल प्रकाश की तीव्रता, फेज और पोलराइजेशन का विश्लेषण भी कर सकता है। भविष्य में यह तकनीक कैमरा और डिस्प्ले को एक ही डिवाइस में जोड़ने का मार्ग प्रशस्त कर सकती है।

ProGrade ने लॉन्च किए Future-Ready CFexpress 4.0 Type A मेमोरी कार्ड

ProGrade Digital ने नए Iridium CFexpress 4.0 Type A मेमोरी कार्ड 512GB और 1TB क्षमता में पेश किए हैं। PCIe Gen 4 तकनीक पर आधारित ये कार्ड 1,800 MB/s तक रीड और 1,700 MB/s तक राइट स्पीड प्रदान करते हैं। दोनों कार्ड VPG400 और VPG800 की डुअल सर्टिफिकेशन के साथ आते हैं, जो प्रोफेशनल RAW वीडियो रिकॉर्डिंग के दौरान लगातार उच्च लेखन गति की गारंटी देते हैं। कंपनी के अनुसार ये कार्ड वर्तमान और भविष्य की हाई-एंड कैमरा तकनीक के लिए तैयार किए गए हैं।

7Artisans का किफायती AF 135mm f/1.8 लेंस अब Sony E और L-Mount के लिए भी

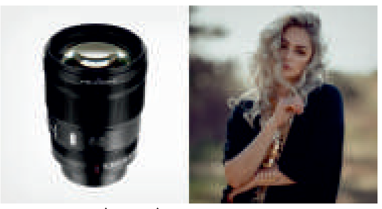

7Artisans ने अपने Max AF 135mm f/1.8 फुल-फ्रेम पोर्ट्रेट लेंस को अब Sony E और L-Mount कैमरों के लिए भी लॉन्च कर दिया है। यह लेंस पहले केवल Nikon Z माउंट में उपलब्ध था। तेज f/1.8 अपर्चर और ऑटोफोकस तकनीक से लैस यह टेलीफोटो प्राइम लेंस पोर्ट्रेट और कम रोशनी में फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त है। कंपनी का लक्ष्य प्रोफेशनल गुणवत्ता को किफायती कीमत पर उपलब्ध कराना है।

Samyang ने Sony के लिए पूरी की हल्के F2.8 ज़ूम लेंसों की 'Trinity'

LK Samyang ने नया AF 60-180mm F2.8 FE लेंस लॉन्च किया है, जिससे Sony फुल-फ्रेम मिररलेस कैमरों के लिए उसकी हल्के F2.8 ज़ूम लेंसों की 'Trinity' पूरी हो गई है। Schneider-Kreuznach के सहयोग से विकसित यह लेंस AF 14-24mm F2.8 FE और AF 24-60mm F2.8 FE के साथ श्रृंखला को पूरा करता है। केवल 730 ग्राम वजन वाला यह अपनी श्रेणी का सबसे हल्का लेंस होने का दावा करता है। यह पोर्ट्रेट, स्पोर्ट्स, इवेंट और वाइल्डलाइफ फोटोग्राफी के लिए उपयुक्त है।

Neewer ने पेश किए Q120 Outdoor Strobe और Z3R TTL Speedlite

Neewer ने फोटोग्राफर्स के लिए दो नए फ्लैश सिस्टम Q120 Outdoor Strobe और Z3R TTL Round-Head Speedlite लॉन्च किए हैं। बैटरी से चलने वाला Q120 आउटडोर और ऑफ-कैमरा लाइटिंग के लिए कॉम्पैक्ट समाधान प्रदान करता है, जबकि Z3R टचस्क्रीन इंटरफेस और आधुनिक TTL कंट्रोल के साथ बेहतर ऑन-कैमरा अनुभव देता है। दोनों फ्लैश स्टूडियो, पोर्ट्रेट, इवेंट और लोकेशन फोटोग्राफी के लिए पोर्टेबिलिटी और प्रोफेशनल प्रदर्शन का संतुलित विकल्प उपलब्ध कराते हैं।

Mitakon ने लॉन्च की अल्ट्रा-फास्ट T1 Cine Prime Lens Series

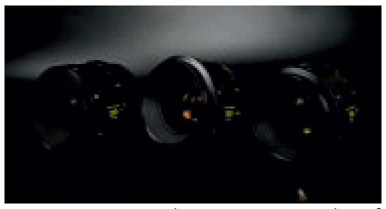

Zhongyi Optics के ब्रांड Mitakon ने नई Zone T1 Cine Lens Series पेश की है। इसमें 35mm, 50mm और 75mm फुल-फ्रेम सिनेमा प्राइम लेंस शामिल हैं, जो PL और EF माउंट में उपलब्ध होंगे। T1 अपर्चर वाले ये लेंस कम रोशनी में बेहतरीन प्रदर्शन और बेहद कम डेप्थ ऑफ फील्ड प्रदान करते हैं। 16-ब्लेड अपर्चर और उन्नत ऑप्टिकल डिजाइन के साथ तैयार ये लेंस प्रोफेशनल सिनेमैटोग्राफर्स के लिए विंटेज लुक, स्मूद बोकेह और सिनेमैटिक इमेज क्वालिटी देने का दावा करते हैं।

इंदौर के युवा फोटोग्राफर अनुराग बड़ोलिया को अमेरिका की फोटोग्राफी सोसाइटी ऑफ अमेरिका से PPSA सम्मान

अनुराग बड़ोलिया

इंदौर शहर के युवा फोटोग्राफर अनुराग बड़ोलिया को विश्व की प्रतिष्ठित संस्था फोटोग्राफी सोसाइटी ऑफ अमेरिका, USA द्वारा PPSA डिस्टिंक्शन से सम्मानित किया गया है।

यह सम्मान उन फोटोग्राफरों को प्रदान किया जाता है जिन्होंने PSA-मान्यता प्राप्त अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी प्रदर्शनियों एवं प्रतियोगिताओं में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन

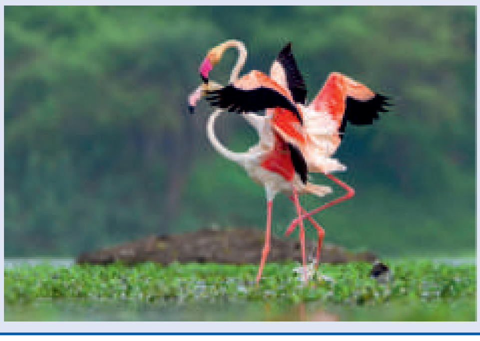

और उल्लेखनीय उपलब्धियाँ हासिल की हों।

इस उपलब्धि के साथ अनुराग बड़ोलिया मध्य प्रदेश के सबसे कम उम्र के PPSA डिस्टिंक्शन प्राप्त करने वाले फोटोग्राफर बन गए हैं। यह सम्मान उनकी वर्षों की मेहनत, रचनात्मक दृष्टि और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिणाम है।

STUDIO NEWS

एक छवि का चित्रण सिर्फ कैमरा एक ओर ही नही अपितु दोनों ओर से होता है। - एडवर्ड स्टीकेन

A Complete Exhibition for PHOTO, VIDEO DIGITAL IMAGING, FRAME & ALBUM Industry - *5th Edition*

5th EDITION

INDIA photo video EXPO UTTAR PRADESH

CONCURRENT SHOW

Exhibition for SIGNAGE, LED LASER, 3D & DIGITAL PRINTING Industry - *22nd Edition*

DPS EXPO
DIGITAL PRINT & SIGN

Fri 11 Sat 12 Sun 13 SEPTEMBER 2026

GOLDEN BLOSSOM IMPERIAL
Anora Kala Lucknow, Ayodhya Road
LUCKNOW, UTTAR PRADESH

ORGANISERS: BUY SELL interactions; 25 Years of Excellence
MEDIA PARTNER: स्टूडियो न्यूज
SUPPORTED BY: PAUP PHOTOGRAPHERS ASSOCIATION UTTAR PRADESH

For Stall Booking Contact : BUYSELL INTERACTIONS PVT LTD - Mob: +91 90420 32366 / 90420 32367
For Details Contact: 73090 18387 (Dinesh Chandra Verma) / 98397 45698 (Deepak Kapoor)
Email: info@buysellinteractions.com Web: www.buysellint.biz

महान विभूतियाँ

सुशांत बनर्जी MFIAP, FRPS, ESFIAP
(1944 - 2026)

सुशांत बनर्जी

कोलकाता के रहने वाले भारत के बेहद सम्मानित और सुप्रसिद्ध वरिष्ठ फोटो-कलाकार और पिक्टोरियल फोटोग्राफर सुशांत बनर्जी का जन्म वर्ष 1944 में हुआ था, हाल ही में 13 जून 2026 को उनका निधन हो गया।

उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स और साउंड इंजीनियरिंग में एक सफल करियर से अपने काम की शुरूआत की थी। उन्होंने दमदम में 'हिज मास्टर्स वॉयस' (HMV) जैसे नामी संस्थान में काम किया। उन्होंने विशेष रूप से प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक श्री सत्यजीत रे के साथ लंबे समय तक काम किया और उनकी फिल्मों की साउंड रिकॉर्डिंग की जिम्मेदारी संभाली।

सुशांत बनर्जी, जिन्हें लोग प्यार से 'मोंटू दा' कहते थे, उन्होंने फाइन आर्ट और पिक्टोरियल फोटोग्राफी में दुनिया के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय सम्मान हासिल किए। उन्हें 1993 में MFIAP और 2004 में ESFIAP की मानद उपाधियाँ मिलीं। उन्होंने 'फेडरेशन इंटरनेशनल डी ल'आर्ट फोटोग्राफिक' (FIAP) से ये खास सम्मान हासिल किए थे। इसके अलावा, 1985 में उन्हें ग्रेट ब्रिटेन की 'रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी' द्वारा प्रतिष्ठित फैलोशिप (FRPS) से भी नवाजा गया था।

सुशांत बनर्जी अपनी दार्शनिक सोच और वैचारिक (Conceptual) फोटोग्राफी के लिए जाने जाते थे। उनके सबसे मशहूर कामों में से एक "सिम्बोलिक स्टडी ऑफ लाइफ एंड डेथ" (जीवन और मृत्यु का प्रतीकात्मक अध्ययन) है, जिसने तस्वीरों के जरिए भारतीय दर्शन के मूल सिद्धांतों को बेहद खूबसूरती से पेश किया। वे सिर्फ एक फोटोग्राफर नहीं थे, बल्कि एक दूरदर्शी कलाकार थे, जिन्होंने साधारण पलों को अमर कहानियों में बदल दिया। भारतीय फोटोग्राफी में उन्हें सबसे बेहतरीन नामों में से एक माना जाता है। उन्होंने अपनी रचनात्मकता, समर्पण और दुनिया को देखने के अनोखे नजरिए से फोटोग्राफरों की कई पीढ़ियों को प्रेरित किया। उनकी कुछ चुनिंदा तस्वीरों को इटली, ऑस्ट्रिया, अर्जेंटीना और इंग्लैंड के फोटोग्राफी संग्रहालयों के 'स्थायी संग्रह' (Permanent Collection) में सुरक्षित रखने का गौरव भी प्राप्त है।

उनकी तस्वीरें सिर्फ साधारण फोटो नहीं हैं, बल्कि वे वक्त के दायरे में थमी हुई भावनाएं हैं, जो जीवन, संस्कृति और मानवीय रिश्तों से भरी हैं। उनकी कई कृतियों ने फोटोग्राफी प्रेमियों के दिलों पर एक गहरी छाप छोड़ी है और वे आने वाले कई सालों तक कलाकारों को प्रेरित करती रहेंगी। फोटोग्राफी के प्रति उनका जुनून, उनकी विनम्रता और काम में परफेक्शन लाने की उनकी लगन ने उन्हें हर मायने में एक सच्चा गुरू बनाया।

उन्होंने 1970 के दशक की शुरूआत में क्रिएटिव फोटोग्राफी के अपने सफर की शुरूआत की थी। उन दिनों पारंपरिक डार्क-रूम में कई नेगेटिव्स को मिलाकर प्रिंटिंग करने की कठिन प्रक्रिया के जरिए उन्होंने खुद को अभिव्यक्त किया और कई बेहतरीन कलाकृतियां बनाई।

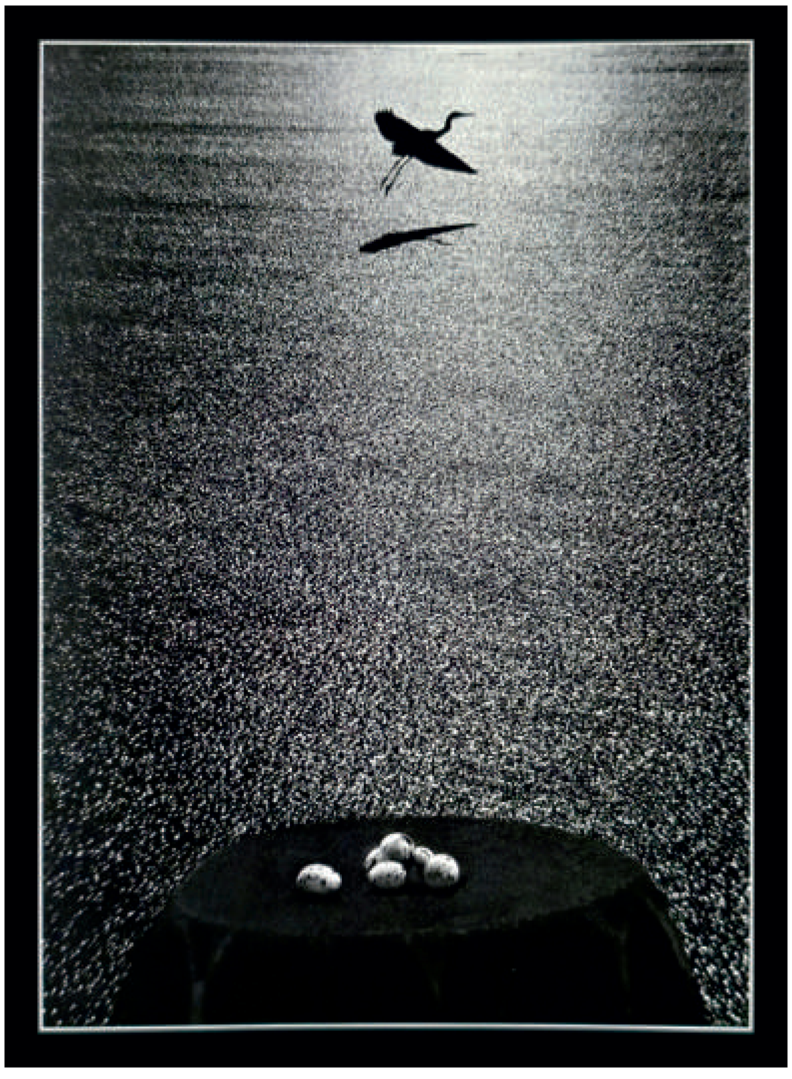

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026

मेरे विचार में फोटोग्राफी रात में चुपचाप, दबे पावँ रसोई में जाकर ओरियो कुकी खाने के समान है। - डायना अर्बुस

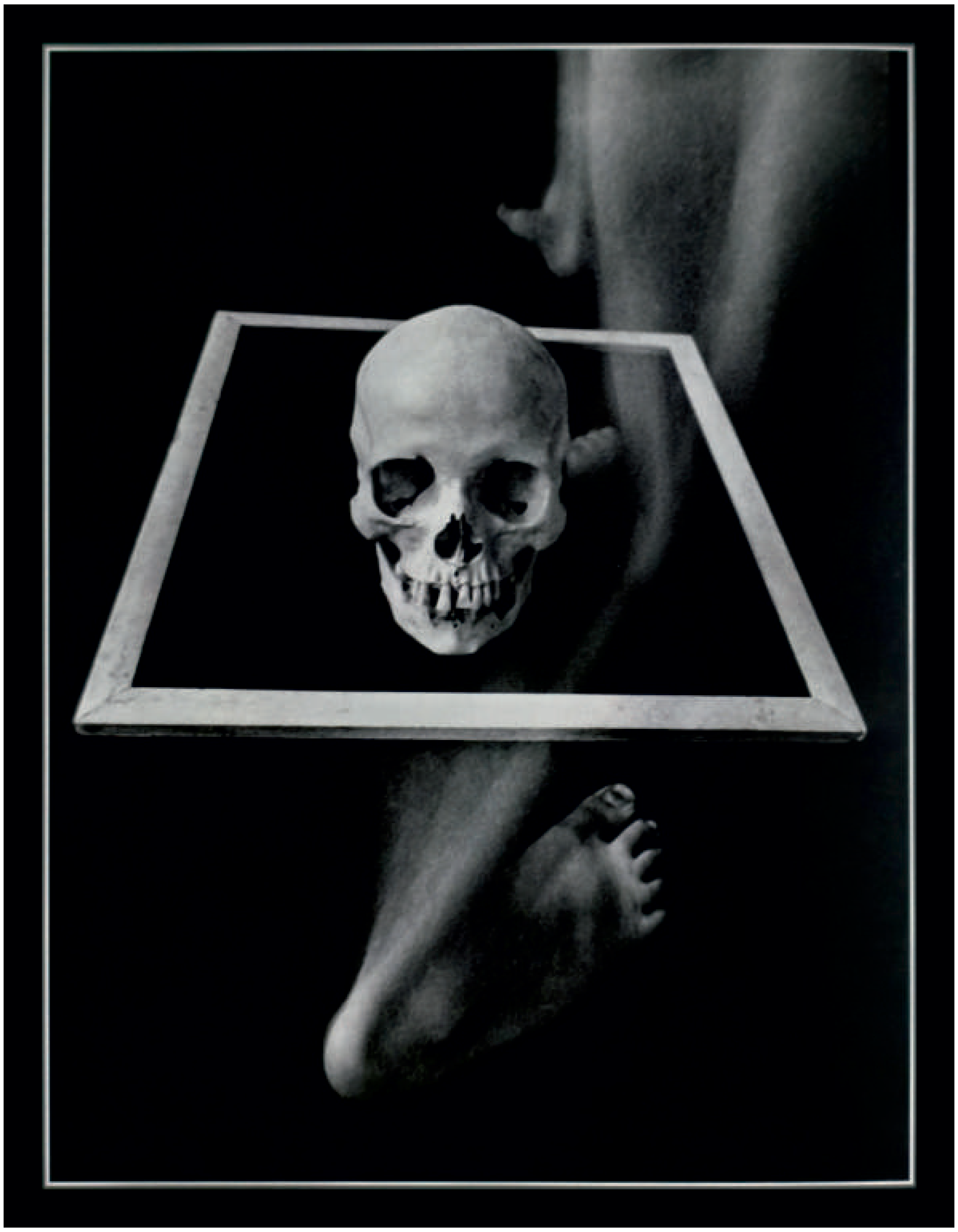

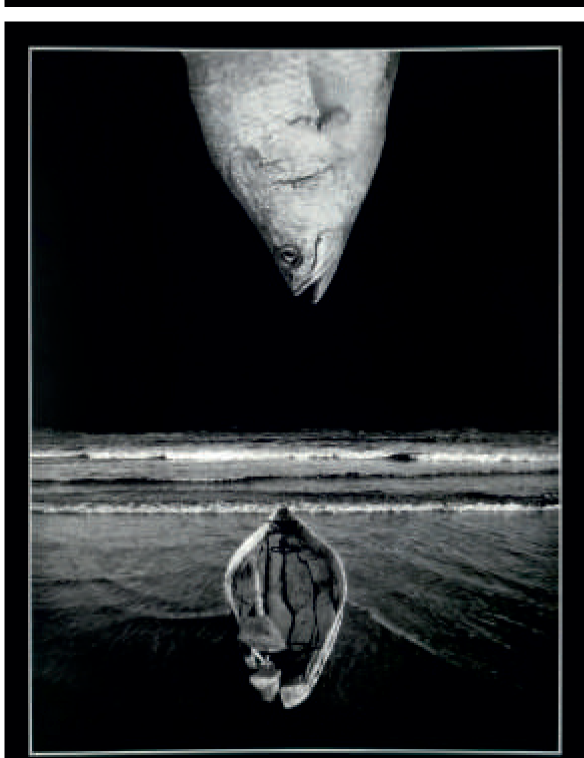

उनका प्रयास हमेशा अपनी अनोखी सोच और तकनीकी कला को इस तरह मिलाना था जिससे दुनिया को एक नया नजरिया मिले। उनका ज्यादातर काम 'मोंटाज' (montage) तकनीक से तैयार किया गया था।

उनकी कलाकृतियों की दुनिया भर के अलग-अलग अंतरराष्ट्रीय सैलून और फोटोग्राफी प्रदर्शनियों में काफी सराहना हुई और उन्होंने कई पुरस्कार जीते। उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय फोटोग्राफी सैलून में जज (ज्यूरी मेंबर) के रूप में भी अपनी सेवाएं दीं। फोटोग्राफी पर उनके लेख 'रॉयल फोटोग्राफिक सोसाइटी' की पत्रिका में छपते थे। वह वर्ष 2017 से 2020 के दौरान 'फेडरेशन ऑफ इंडियन फोटोग्राफी' के अध्यक्ष भी रहे। पेशे से एक इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियर होने के नाते, उन्होंने एक अमेरिकी संस्थान 'रिसर्च इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड' में जनरल मैनेजर के रूप में भी काम किया था।

उनका जाना एक युग का अंत है और इससे फोटोग्राफी की दुनिया में एक बड़ा खालीपन आ गया है। भले ही वे आज हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनका शानदार काम हमेशा जिंदा रहेगा, हमें प्रेरित करेगा और याद दिलाएगा कि एक महान विजुअलाइजर के हाथों में फोटोग्राफी कितनी ताकतवर हो सकती है। मेरा मानना है कि "कलाकार" कभी मरते नहीं हैं, वे अपनी बनाई कलाकृतियों के रूप में हमेशा जीवित रहते हैं। सुशांत बनर्जी की विरासत हर उस फोटोग्राफर और कला प्रेमी के जरिए आगे बढ़ती रहेगी, जिसे उन्होंने प्रेरित किया या जिनके दिलों को उनकी कला ने छुआ।

कई मौकों पर मुझे उनके साथ फोटोग्राफी सैलून के जजिंग पैनल में शामिल होने का मौका मिला, और मैंने उन्हें हमेशा अपने साथी ज्यूरी सदस्यों के प्रति बेहद विनम्र, मिलनसार और सम्मानजनक पाया।

मोंटू दा एक बेहतरीन इंसान थे। वे न केवल एक महान फोटो-कलाकार और शानदार साउंड-रिकॉर्डिस्ट थे, बल्कि एक सच्चे दोस्त, दार्शनिक, मार्गदर्शक और गुरू भी थे। मेरे लिए वे एक बड़े भाई की तरह थे, जो हमेशा मेरे प्रति दयालु रहे और मेरी मदद की। उनका जाना मेरे लिए एक व्यक्तिगत क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे। फोटोग्राफी ने अपना एक चमकता हुआ सितारा खो दिया है, और हम में से कई लोगों ने अपना एक सच्चा हीरो।

यह लेख इस महान फोटो-कलाकार को एक छोटी सी श्रद्धांजलि है, जो उनके अनोखे नजरिए की याद में उनके जीवन और उनकी विरासत का सम्मान करता है।

अनिल रिसाल सिंह
MFIAP (France), ARPS (Great Britain), Hon.FIP (India), Hon.LCC (India), FFIP (India), AIIPC (India), Hon.FSoF (India), Hon.FPAC (India), Hon.TPAS (India), Hon.FSAP (India), Hon.FICS (USA), Hon.PSGSPC (Cyprus), Hon.FPSNJ (America), Hon. Master-TPAS (India), Hon. Master-SAP (India), Hon.FWPAI (India), Hon.FGGC (India), Hon.GA-PSGSPC (Cyprus)
पूर्व अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ इण्डियन फोटोग्राफी

फोटोग्राफर की असली प्रतिभा है उसकी पैनी नजर

हृदगंधा गिरीश मिस्त्री
एडवर्टाइजिंग एवं कमर्शियल फ़ोटोग्राफ़र, डीन और निदेशक, शारी अकादमी, मुंबई
@shari_academy | @thewayhridsees

आज का दौर तस्वीरों का दौर है। आज लगभग हर व्यक्ति किसी न किसी रूप में चित्र बना रहा है। हमारे हाथों में पहले से कहीं बेहतर कैमरे हैं, तेज स्मार्टफोन हैं, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (AI) आधारित टूल्स हैं, आकर्षक फिल्टर हैं, उन्नत एडिटिंग ऐप्स हैं और प्रेरणा देने वाले अनगिनत दृश्य हमारे चारों ओर मौजूद हैं। तकनीक ने फोटोग्राफी को पहले से कहीं अधिक तेज, सरल और सुलभ बना दिया है। लेकिन इस तेजी से बदलती दृश्य दुनिया में भी एक ऐसी शक्ति है, जिसकी बराबरी न कोई कैमरा कर सकता है, न कोई एआई, न कोई फिल्टर और न ही कोई सॉफ्टवेयर। वह है - फोटोग्राफर की देखने, समझने और सही क्षण को पहचानने की क्षमता।

अवलोकन

अवलोकन ही फोटोग्राफी की सबसे कम आंकी जाने वाली प्रतिभा है। अक्सर लोग मानते हैं कि बेहतरीन फोटोग्राफी का संबंध महंगे कैमरों, उन्नत तकनीकों, नाटकीय रोशनी या जटिल अवधारणाओं से होता है। लेकिन वास्तविकता इससे कहीं अधिक सरल है। सच तो यह है कि आपकी देखने और गहराई से परखने की क्षमता ही आपकी कलात्मक पहचान तय करती है। कैमरा केवल वही दर्ज करता है, जिसे आपकी नजर पहचानती है। यदि आपकी नजर किसी दृश्य को गहराई से नहीं देख पाती, तो तस्वीर भले ही देखने में सुंदर लगे, लेकिन वह दर्शक से बहुत कुछ कह नहीं पाएगी।

अवलोकन केवल देखने का नाम नहीं है, बल्कि किसी दृश्य को उसकी गहराई, भाव और अर्थ के साथ सचमुच समझने की कला है। किसी चेहरे के भावों के पीछे छिपी भावना को देख पाना। किसी हलचल के बीच मौजूद खामोशी को महसूस कर पाना। यह उस पल को पहचानने की कला है, जब झिझक धीरे-धीरे मिट जाती है, व्यक्ति सहज हो जाता है और उसके चेहरे पर उसका वास्तविक व्यक्तित्व उभर आता है। यह केवल प्रकाश की चमक को देखना नहीं, बल्कि उसमें छिपे वातावरण, भावनाओं और यादों के रूप में महसूस करना है।

वर्षों के अनुभव ने मुझे यह सिखाया है कि मेरी सबसे प्रभावशाली तस्वीरें केवल तकनीकी दक्षता का परिणाम नहीं थीं। वे इसलिए संभव हुईं क्योंकि मैं उस क्षण को उसके पूरी तरह घटित होने से पहले ही महसूस कर सकी। मेरी पैनी नजर ने मुझे सही समय का एहसास कराया, और उसी सही समय ने मुझे वह यादगार फ्रेम दिया।

आज, जब हर चीज पल भर में हो जाती है, अवलोकन हमें ठहरना सिखाता है। यह याद दिलाता है कि एक सच्ची और प्रभावशाली तस्वीर अक्सर छोटी-छोटी बारीकियों में छिपी होती है। किसी मुस्कान की हल्की-सी कंपन, दीवार पर चुपचाप उतरती किसी परछाईं, घबराहट में किसी का अपने हाथों को अनायास संभालना, या फिर वह क्षण जब स्वयं को सुरक्षित महसूस करते ही किसी व्यक्ति के कंधों का तनाव धीरे-धीरे ढीला पड़ जाता है। ये पल शोर नहीं मचाते, लेकिन अपनी गहराई और संवेदनाओं से दर्शक के मन पर अमिट छाप छोड़ जाते हैं।

यह बात मुझे वर्षों पहले एक पोर्ट्रेट फोटोशूट के दौरान गहराई से समझ में आई। मॉडल बेहद खूबसूरत, आत्मविश्वासी और अभिव्यक्तिपूर्ण थी, लेकिन फिर भी कुछ कमी महसूस हो रही थी। उसकी हर मुद्रा तकनीकी रूप से बिल्कुल सही थी, फिर भी तस्वीरों में भावनात्मक सच्चाई का अभाव था। मैंने कैमरा कुछ देर के लिए नीचे रख दिया, एक कदम पीछे हटी और बिना कुछ कहे उसे बस देखती रही। कुछ क्षणों की खामोशी के बाद उसने गहरी साँस ली, उसके कंधों का तनाव ढीला पड़ गया और उसने कैमरे के लिए अभिनय करना छोड़ दिया। उसी एक पल में उसका वास्तविक व्यक्तित्व सामने आ गया। मैंने उस परिवर्तन को अपनी पैनी नजर से पहचाना और ठीक उसी क्षण शटर दबाया। वह तस्वीर केवल उसका चेहरा नहीं, बल्कि उसकी सच्ची भावनाओं और वास्तविक व्यक्तित्व को भी अपने भीतर समेटे हुए थी।

अवलोकन केवल आँखों का नहीं, बल्कि संवेदनाओं का भी विषय है। एक अच्छे फोटोग्राफर को लोगों को परखने के लिए नहीं, बल्कि उन्हें समझने और महसूस करने के लिए देखना चाहिए। जब किसी व्यक्ति को यह एहसास होता है कि उसे समझा जा रहा है, तभी वह अपने वास्तविक रूप में सामने आता है। यदि आपका पूरा ध्यान केवल कैमरे की सेटिंग्स, रोशनी या उपकरणों पर ही केंद्रित रहेगा, तो आप सामने खड़े व्यक्ति की भावनाओं को शायद ही पहचान पाएँगे। इसलिए श्रेष्ठ फोटोग्राफर पहले अपने दिल और संवेदनाओं से देखते हैं, और उसके बाद कैमरे से तस्वीर बनाते हैं।

जब मेरे विद्यार्थी किसी तस्वीर को लेकर संघर्ष करते हैं, तो मैं सबसे पहले उन्हें कैमरे की सेटिंग्स बदलने की सलाह नहीं देती। मैं उनसे कहती हूँ, थोड़ा ठहरिए। धैर्य रखिए। सामने मौजूद व्यक्ति और वातावरण को ध्यान से महसूस कीजिए। उसके चेहरे की आँखों को देखिए, हाथों की हलचल को समझिए, शरीर की मुद्रा, साँसों की लय और उसके व्यक्तित्व की ऊर्जा को पहचानिए। यही वे सूक्ष्म संकेत हैं, जिनमें हर व्यक्ति की अनकही कहानी चुपचाप छिपी होती है। जो फोटोग्राफर इन्हें देख और महसूस कर लेता है, वही ऐसी तस्वीरें बना पाता है जो केवल दिखाई नहीं देतीं, बल्कि दर्शक के मन को भी छू जाती हैं।

अवलोकन हमें धैर्य रखना भी सिखाता है। जब हम किसी दृश्य का गहराई से अवलोकन करते हैं, तो हम प्रकाश, वातावरण, चेहरे के भाव और भावनाओं के एक साथ सही तालमेल बनने का इंतजार करना सीखते हैं। हम समझने लगते हैं कि हर तस्वीर को जल्दबाजी में नहीं बनाया जा सकता। अवलोकन हमें सिखाता है कि किसी क्षण को जबरदस्ती पैदा नहीं किया जा सकता और न ही किसी फ्रेम को जल्दबाजी में कैद किया जाना चाहिए। बल्कि सही समय का धैर्यपूर्वक इंतजार करना चाहिए, उस पल का, जब दृश्य स्वयं कहे कि अब तस्वीर बनने के लिए तैयार है।

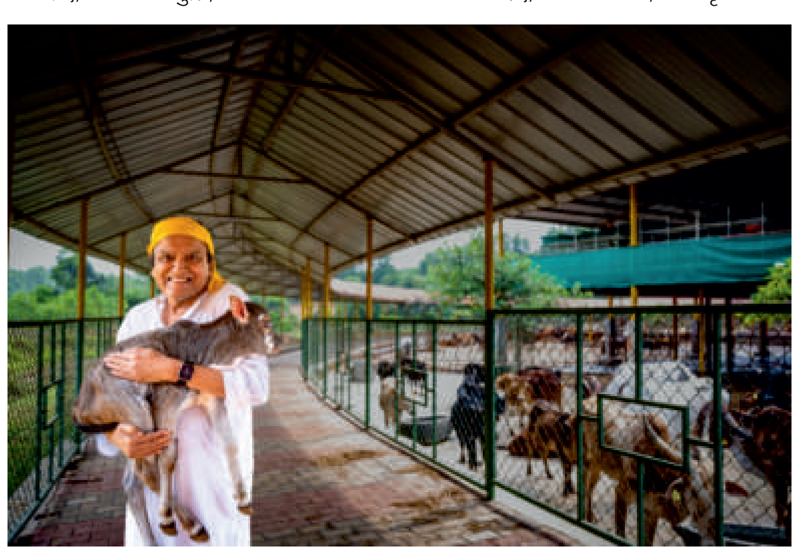

तब फोटोग्राफी केवल एक तस्वीर लेने की प्रक्रिया नहीं रह जाती, बल्कि जीवन के किसी अनमोल क्षण को विनम्रता से स्वीकार करने और उसे सहेज लेने की कला बन जाती है।

आज के दौर में, जब हर सेकंड हजारों तस्वीरें इंटरनेट पर साझा की जा रही हैं, तब किसी तस्वीर को यादगार बनाने वाली चीज केवल उसकी तीक्ष्णता (Sharpness), बेहतरीन रोशनी या आकर्षक एडिटिंग नहीं होती। उसकी असली ताकत उस गहराई में छिपी होती है, जिसके साथ उसे देखा और महसूस किया गया है। एक यादगार तस्वीर वही होती है, जिसमें फोटोग्राफर ने वह देख लिया हो, जो दूसरों की नजरों से अनदेखा रह गया। यही सूक्ष्म अवलोकन एक साधारण तस्वीर को असाधारण बना देता है और उसे केवल एक दृश्य नहीं, बल्कि एक अनुभव में बदल देता है।

महान फोटोग्राफर हमेशा वे नहीं होते जिनके पास सबसे महंगे कैमरे या सबसे अधिक उपकरण हों। महान वे होते हैं, जो उन बातों को देख लेते हैं, जिनके पास से बाकी लोग बिना ध्यान दिए गुजर जाते हैं। वे किसी की छोटी-सी हरकत, खामोशी, लय, प्रकाश, भावनाओं और जीवन की सच्चाई को तब पहचान लेते हैं, जब दूसरे लोग यह भी नहीं समझ पाते कि उनमें देखने जैसा कुछ है।

अवलोकन आपकी रचनात्मकता को गहराई देता है। यह आपकी सहज समझ (Intuition) को और पैना बनाता है। यही आपकी फोटोग्राफी को एक अलग पहचान देता है और आपकी विजुअल स्टोरीटेलिंग को अधिक प्रभावशाली बनाता है।

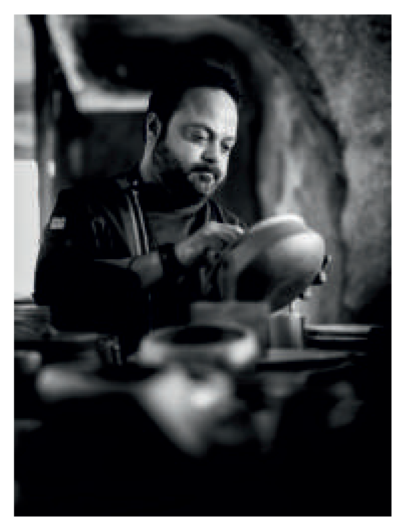

आखिरकार, आपकी तस्वीरें आपकी नजर की गुणवत्ता का ही प्रतिबिंब होती हैं। यदि आपका अवलोकन सतही होगा, तो आपकी तस्वीरें भी सतही ही दिखाई देंगी। लेकिन यदि आपकी नजर गहरी, संवेदनशील और सजग होगी, तो आपकी तस्वीरों में भी वही गहराई और संवेदना दिखाई देगी।

कैमरा उस कमी को कभी पूरा नहीं कर सकता, जिसे आपकी आँखें और आपका हृदय पहचान ही नहीं पाए।

इसीलिए अवलोकन ही विजुअल स्टोरीटेलिंग की बुनियाद है। यही एक फोटोग्राफर की सबसे बड़ी और वास्तविक प्रतिभा है। कैमरा, लेंस, रोशनी और तकनीक - ये सभी केवल साधन हैं, असली तस्वीर तो सबसे पहले फोटोग्राफर की नजर और संवेदनशीलता में जन्म लेती है।

STUDIO NEWS

लखनऊ, सोमवार, 6 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026

किसी व्यक्ति की तस्वीर को ज्यों का त्यों उतार देना एक बात है पर एक काबिल फोटोग्राफर उस व्यक्ति की आत्मा को भी उस तस्वीर में कैद कर सकता है। - पॉल कपोनिग्रो

नेमाई घोष की नजर से सत्यजीत रे का संसार

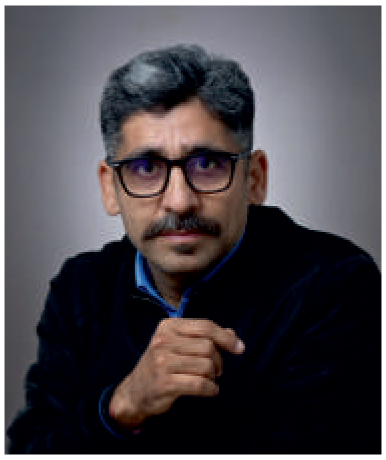

अतुल हुन्डू
वरिष्ठ फोटोग्राफर

महान व्यक्तित्वों पर आधारित प्रदर्शनियों के सामने अक्सर एक गंभीर समस्या होती है कि वे संवाद की बजाय श्रद्धांजलि का माध्यम बन जाती हैं। कई बार विषय इतना प्रभावशाली हो जाता है कि माध्यम स्वयं पीछे छूट जाता है। दर्शक पहले से निर्मित मिथकों और धारणाओं के साथ आर्ट गैलरी में प्रवेश करता है और उन्हीं धारणाओं की पुष्टि करके बाहर निकलता है। DAG द्वारा आयोजित फेसेज एंड फेसेट्स : सत्यजीत रे इन कलर (Faces and Facets: Satyajit Ray in Colour), जिसमें नेमाई घोष के सत्यजीत रे से जुड़े छायाचित्र प्रदर्शित हैं, इस चुनौती से सफलतापूर्वक संवाद करती है। पहली दृष्टि में यह प्रदर्शनी सत्यजीत रे के इर्द-गिर्द घूमती प्रतीत होती है। रे भारतीय सिनेमा के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सबसे मान्यता प्राप्त फिल्मकारों में से एक हैं। किंतु प्रदर्शनी के साथ समय बिताने पर यह स्पष्ट होने लगता है कि इसका वास्तविक विषय केवल रे नहीं, बल्कि देखने की प्रक्रिया स्वयं है। यह प्रदर्शनी अंततः नेमाई घोष की फोटोग्राफिक दृष्टि की गहराई को सामने लाती है और उन्हें केवल एक डाक्यूमेंट्री फोटोग्राफर नहीं बल्कि एक व्याख्याकार के रूप में पुनर्स्थापित करती है।

दशकों तक नेमाई घोष को प्रायः सत्यजीत रे के 'फोटो-बायोग्राफर' के रूप में देखा गया है। यह उपाधि एक सीमा तक सही होते हुए भी उन्हें सीमित करती है। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि उनका कार्य केवल किसी महान व्यक्तित्व के जीवन का विजुअल डॉक्यूमेंटेशन है। किंतु यह प्रदर्शनी इस धारणा का प्रतिरोध करती है। रे के साथ लगभग 25 वर्षों के संबंध के दौरान खींची गई रंगीन तस्वीरों के माध्यम से यह स्पष्ट होता है कि घोष की तस्वीरें केवल रिकॉर्ड नहीं हैं, वे देखने की संवेदनशील और कलात्मक क्रिया हैं।

इस प्रदर्शनी की सबसे उल्लेखनीय विशेषता इसका रंगों पर बल देना है। लोगों ने लम्बे समय से नेमाई घोष की ब्लैक एंड वाइट तस्वीरों से सत्यजीत रे को देखा है। जिनमे रे का व्यक्तित्व लाइट एंड शेड के बीच उभरता हुआ दिखाई देता था। ब्लैक एंड वाइट तस्वीरें सहज रूप से किसी व्यक्तित्व को कलात्मक बना देती हैं। लेकिन रंग एक अलग कार्य करते हैं। वे व्यक्ति को मानवीय बनाते हैं।

इन तस्वीरों में रंग वातावरण निर्मित करते हैं। कमरों की मद्धिम भूरी आभा, कपड़ों के शांत नीले रंग, कागजों की फीकी पीली छाया, और घरेलू वातावरण की मुलायम बनावट रे के जीवन को उसकी साधारण भौतिकता के साथ प्रस्तुत करती है। प्रदर्शनी में रे बार-बार दिखाई देते हैं, लेकिन हर तस्वीर में उनका एक नया रूप सामने आता है। कहीं वे गहरे विचारों में डूबे हैं, कहीं अपने काम में पूरी तरह व्यस्त हैं और कहीं साथियों के साथ सहज बातचीत करते दिखाई देते हैं। इससे समझ में आता है कि किसी व्यक्ति को केवल एक पहचान से नहीं समझा जा सकता।

प्रदर्शनी में सत्यजीत रे के कई निजी और दुर्लभ क्षण भी दिखाई देते हैं। कहीं वे पियानो के पास बैठे हैं तो कहीं सरसों के खेत में में शांत होकर टहल रहे हैं। घर हो, स्टूडियो हो या फिल्म की शूटिंग का स्थान - हर जगह वे सोचते और कुछ नया खोजते हुए दिखाई देते हैं।

प्रदर्शनी में उनकी फिल्मों "गोपी गाइन बाघा बाइन", "शतरंज के खिलाड़ी" और "आगंतुक" से जुड़ी कई दुर्लभ तस्वीरें भी शामिल हैं। इन तस्वीरों से पता चलता है कि वे केवल निर्देश देने वाले निर्देशक नहीं थे। वे हर छोटे पहलू पर ध्यान देते थे और अपने कलाकारों के साथ मिलकर काम करते थे।

एक तस्वीर विशेष रूप से ध्यान खींचती है, जिसमें सत्यजीत रे अपनी हथेली के बीच एक छोटा-सा घेरा बनाकर उसके भीतर से किसी दृश्य को देख रहे हैं। यह तस्वीर एक बहुत बड़ी बात कहती है महान कला केवल आधुनिक तकनीक से नहीं बनती, बल्कि उसे कलाकार की सोच, कल्पना और देखने का तरीका विशेष बनाता है।

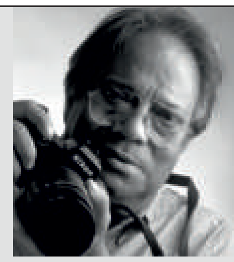

"...मैं उनकी परछाईं की तरह उनके पीछे-पीछे चलने लगा था। हर पल उन्हें अपने कैमरे में कैद करने का जैसे एक जुनून-सा था। माणिक दा (Satyajit Ray) के प्रति मेरा आकर्षण कुछ ऐसा ही था - बेखौफ, बेपरवाह और तर्क से परे।" **- नेमाई घोष**

प्रदर्शनी इस प्रकार प्रतिभा और व्यक्ति के बीच की दूरी को समाप्त करती है। रे किसी सांस्कृतिक मिथक की तरह नहीं बल्कि एक जीवित, कार्यरत व्यक्ति की तरह सामने आते हैं। फिर भी यह आत्मीयता कभी दखलंदाजी नहीं बनती। यही एक फोटोग्राफर के रूप में नेमाई घोष की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कई डाक्यूमेंट्री फोटोग्राफर अपने सब्जेक्ट से निकटता तो प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन उस निकटता का कलात्मक उपयोग कैसे किया जाए, यह कम लोग जानते हैं। केवल पहुँच प्राप्त कर लेना कला नहीं है। घोष की सबसे बड़ी शक्ति इस बात में है कि वे निकटता को दृश्यात्मक समझ में बदल देते हैं।

स्पष्ट रूप से रे के साथ उनके दीर्घ संबंध ने उन्हें असाधारण स्वतंत्रता प्रदान की। किंतु अत्यधिक परिचय भी कई बार दृश्यात्मक जड़ता पैदा कर सकता है। विषय दोहराव पूर्ण हो सकता है, और तस्वीरें एक जैसी लगने वाली हो सकती हैं। घोष इस जाल से बच निकलते हैं।

प्रदर्शनी में रे बार-बार दिखाई देते हैं, लेकिन कभी एक जैसे नहीं। कहीं वे गहरे चिंतन में हैं, कहीं फिल्म निर्माण की व्यावहारिकताओं में व्यस्त हैं, तो कहीं बातचीत में जीवंत दिखाई देते हैं। घोष समझते हैं कि व्यक्तित्व एक-रेखीय नहीं होता, वह अनेक परिस्थितियों में अलग-अलग रूप ग्रहण करता है।

यही समझ शायद प्रदर्शनी के शीर्षक फेसेज एंड फेसेट्स में भी निहित है। पहचान स्वयं बहुस्तरीय होती है। रे यहाँ एक ऐसे प्रिज्म की तरह उपस्थित हैं जिसके भीतर से अनेक व्यक्तित्व उभरते हैं।

इन परिवर्तनों के पीछे घोष का संयमित संयोजन और फ्रेमिंग है। वे रे को कभी खाली बैकग्राउंड पर कैप्चर नहीं करते, बल्कि उन्हें उनके परिवेश के साथ जोड़कर देखते हैं। मेजों पर फैले कागज, रिकॉर्डिंग उपकरण, फिल्म सेट और घरेलू स्थान स्वयं अर्थ निर्माण की प्रक्रिया का हिस्सा बन जाते हैं।

इस प्रकार दर्शक समझने लगता है कि सृजन कोई चमत्कार नहीं बल्कि निरंतर श्रम की प्रक्रिया है। संभवतः यही प्रदर्शनी का

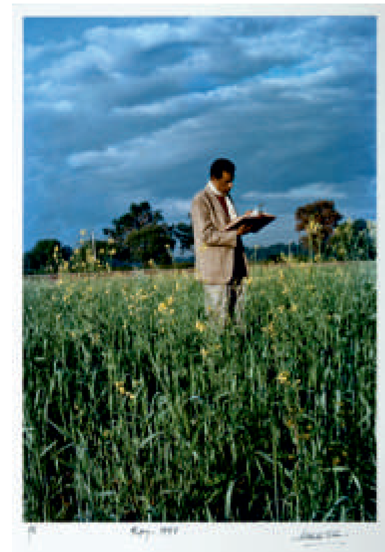

सबसे महत्वपूर्ण पक्ष है। सार्वजनिक स्मृति अक्सर प्रतिभा को महान बना देती है, लेकिन घोष लगातार उस मिथक को तोड़ते हैं। वे रे को काम करते हुए दिखाते हैं - सोचते हुए, सुनते हुए, लिखते हुए और संशोधन करते हुए भी।

अंततः फेसेज एंड फेसेट्स : सत्यजीत रे इन कलर इसलिए सफल होती है क्योंकि यह एक सूक्ष्म बदलाव करती है। दर्शक शायद सत्यजीत रे को देखने के लिए प्रदर्शनी में प्रवेश करते हैं, लेकिन बाहर निकलते समय वे नेमाई घोष को पहचानने लगते हैं।

एक अच्छा फोटोग्राफर केवल वास्तविकता को कैद नहीं करता, वे यह भी तय करता है कि वास्तविकता को हम किस प्रकार देखेंगे। घोष यही कार्य करते हैं। उनका योगदान केवल एक असाधारण व्यक्ति का चित्रण करना नहीं है, बल्कि यह दिखाना है कि असाधारण जीवन साधारण क्षणों में किस प्रकार घटित होता है। पूर्व में इसी विषय पर उनकी एक कॉफी टेबल बुक भी आ चुकी है।

नेमाई घोष इस प्रदर्शनी के माध्यम से सत्यजीत रे की विरासत के सहायक पात्र के रूप में नहीं, बल्कि भारतीय दृश्य संस्कृति के एक महत्वपूर्ण विचारक के रूप में सामने आते हैं।

यह प्रदर्शनी हमें याद दिलाती है कि हर महान कलाकार को पूरी तरह देखने के लिए कभी-कभी एक दूसरे कलाकार की नजर चाहिए होती है। सत्यजीत रे के लिए वह कलाकार नेमाई घोष थे।

फोटोग्राफी वर्कशॉप, संगोष्ठी एवं अन्य कार्यक्रम

लखनऊ में Canon Image Square एवं Sehta Digital द्वारा कैनन के नये और बहुप्रतीक्षित कैमरे Canon EOS R6V का भव्य लॉचिंग समारोह, लखनऊ (10 जून 2026)

टैमरान द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखनऊ (11 जून 2026)

निकॉन द्वारा Newborn फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखनऊ (12 जून 2026)

टैमरान द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, बरेली (12 जून 2026)

सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, बलिया (13 जून 2026)

टैमरान द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, रूद्रपुर (13 जून 2026)

सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, वाराणसी (16 जून 2026)

सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, प्रयागराज (17 जून 2026)

सोनी द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखनऊ (18 जून 2026)

टैमरान द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, कानपुर (21 जून 2026)

कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, उन्नाव (25 जून 2026)

कैनन द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, खलीलाबाद (26 जून 2026)

गॉडेक्स द्वारा फोटोग्राफी वर्कशॉप, लखनऊ (27-28 जून 2026)

फूजीफिल्म द्वारा मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, उन्नाव (27 जून 2026)

फूजीफिल्म द्वारा मिनी फोटोग्राफी वर्कशॉप, प्रयागराज (30 जून 2026)

निकॉन मिररलेस कैमरा वर्कशॉप, जैतीपुर, उन्नाव (30 जून 2026)

STUDIO NEWS

लखनऊ, सोमवार, 6 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026

दुनिया में ऐसी कई चीजें हैं जिनका चित्र अगर मैंने नहीं लिया होता तो मुझे लगता है दुनिया उन्हें देखने से वंचित रह जाती। - डायना अर्बुस

लम्हें
THE PHOTOBOOK
ज्यादा बड़ा साइज,
ज्यादा शानदार इम्प्रेशन
आपके हर खास लम्हे के लिए
HIGH QUALITY
PRINTING
OUR PROMISE
अब और भी
Bigger & Better!
13" x 39"
एल्बम
कीमत वही,
साइज बड़ा
12" x 36"
के दाम में पाएं
13"x39"
12"x36"
छोटा
13"x39"
बड़ा
हर फोटो बनेगी और भी रॉयल नया
13x39 फोटोबुक (एल्बम)
अब 12"x36" के रेट में अपग्रेड होकर पाएं 13x39" रॉयल साइज
स्पेशल
पोस्टर
ऑफर
हर 13" x 39" एल्बम पर पाएं
20" x 30"
पोस्टर
(PRINTING AREA 20" x29")
सिर्फ़
₹ 50/-
मात्र
EQUIPPED WITH
HP INDIGO 15K
TRUE COLOURS. TRUE QUALITY.
हमारी प्रिंटिंग की विशेषताएँ
☑ HD फुल रिज़ॉल्यूशन प्रिंटिंग
☑ हर फोटो और भी बड़ी, क्लियर और डिटेल में
☑ प्रीमियम फिनिश के साथ रॉयल लुक
☑ वेडिंग और प्रीमियम एल्बम के लिए परफेक्ट
☑ बड़ा साइज, ज्यादा इम्पैक्ट, ज्यादा वैल्यू
KK JAIN COLOUR LAB, LUCKNOW
(MANAGED BY : KUSH OFFSET PRINTERS)
Address : 12, Ravindra Palli, Faizabad Road, Lucknow, U.P. - 226016
Email : kkjaincolourlab@gmail.com I Website : www.kkjaincolourlab.com
+91 9305103409, 7607999306, 9956740444, 9936375813

STUDIO NEWS
लखनऊ, सोमवार, 6 जुलाई 2026 से 5 अगस्त 2026

एक अच्छी तस्वीर जानती है कि किस स्थान पर खड़ा होना है - एन्सल एडम्स

RNI No. : UPHIN/2017/74695, **स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक** - सुरेंदर सिंह बिष्ट, शॉप नं. 3, शान्ति मार्केट, लक्ष्मणपुरी गेट, फैजाबाद रोड, इन्दिरा नगर, लखनऊ - 226016 द्वारा ज्ञान प्रिंटर्स, 207, 208 लेखराज मार्केट-2, इन्दिरा नगर, लखनऊ-226016 से प्रकाशित।
सम्पादक - सुरेंदर सिंह बिष्ट, फोन - 9335915600, 0522-4108575, ई-मेलः mailtostudionews@gmail.com, वेबसाइट : www.studionews.co.in